C-9 Assessment

व्यक्ति के संसार के किसी अंग के प्रति प्रेरणात्मक, संवेगात्मक एवं ज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के स्थायी संगठन को कहते है।

क्रुडवर्थ के अनुसार :- मत, रुचि या उद्देश्य की थोड़ी-बहुत स्थायी प्रवृत्तियाँ जिनमे किसी प्रकार के पूर्व-ज्ञान की प्रत्याशा प्रत्याशा और उचित प्रक्रिया की तत्परता को मनोवृत्ति कहते है।

मनोवृत्ति की विशेषताएं (Characteristics of Attitude) :- मनोवृत्ति के निम्नलिखित विशेषताएं है।

(1) ~~मनोवृत्ति~~ मनोवृत्तियों का प्रसार असीमित है। हमारी पसन्द, नापसन्द, आदर्श आदि सभी मनोवृत्ति के अन्तर्गत ~~आती~~ आती है।
(2) यह बाहरी वस्तुओं के प्रति हमारी स्थिति है।
(3) मनोवृत्तियों में व्यक्तिगत विभेद होते है
(4) यह हमारे व्यवहार का आधार है।

C-9 Assessment For Learning

(4) ये व्यक्त भी हो सकते हैं और अव्यक्त भी।

(5) ये हमारे सम्पूर्ण व्यवहार संगठन में समन्वित होती हैं।

(6) ये वातावरणजन्य हैं, न कि जन्मजात अर्थात किसी समाज या समुदाय के लोग किसी पार्टी या संघ में जन्म से ही किसी के पक्ष में नहीं होते।

(7) किसी वस्तु या परिस्थिति के प्रति मनोवृति आवश्यक रूप से उसकी उपयोगिता पर आधारित नहीं है।

(8) विभिन्न संस्कृतियों में व्यक्ति की मनोवृतियाँ अलग-अलग होती हैं। विभिन्न समुदायों की मनोवृतियाँ भिन्न होती हैं।

(9) मनोवृतियाँ पर्याप्त रूप से स्थायी होती हैं पर उनमें परिवर्तन या संशोधन हो सकता है।

(10) मनोवृतियाँ एक व्यक्ति या वस्तु के प्रति हो सकती हैं या अनेक के प्रति जैसे: एक राष्ट्र से लड़ते समय इसके अधिकांश व्यक्तियों को हम लोग शत्रु समझते हैं।

Scanned by CarbonScanner

Date ____
Page ____

मनोवृत्ति मापनी निर्माण की विधियाँ

(Method of Attitude scale Formation)

मनोवृत्ति मापनी निर्माण की विधियाँ निम्नलिखित है।

(I) व्यवहारिक विधियाँ
(Behavioural Method)
(II) मनोवैज्ञानिक विधियाँ

(I) व्यवहारिक विधियाँ :- इन विधियों का प्रयोग प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में करता है। अतः इस विधि का वर्णन इस प्रकार किया जाता है।

(1) प्रत्यक्ष प्रश्न विधि :- इस विधि में प्रत्यक्ष प्रश्न द्वारा व्यक्तियों के विचार प्रकट करने के लिए किया जाता है। इस विधि में कम समय खर्च ~~कर~~ करके हम व्यक्ति की मनोवृत्ति का पता लगा सकते हैं। इस विधि द्वारा व्यक्ति की तीन प्रकार की मनोवृत्तियों का पता लगाया जाता है।

(I) अनुकूल मनोवृत्ति
(II) ~~क्रूर~~ (II) प्रतिकूल मनोवृत्ति

Scanned by CarbonScanner

Ch-9 Assessment For Learning

(iii) अनिश्चित मनोवृत्ति

इस विधि के द्वारा मुद्दे के प्रति अन्य अंशों का पता नहीं चलता है।

(४) व्यवहार का प्रत्यक्ष अवलोकन :-

इस विधि में व्यक्ति के व्यवहार को अवलोकन करके मनोवृत्ति का पता लगाया जाता है। व्यक्ति का व्यवहार प्राकृतिक रूप से उसकी मनोवृत्ति के अनुकूल होता है। जैसे - कोई व्यक्ति अपने ~~[illegible]~~ छोटे के साथ कुर्सी पर नहीं बैठता है तो इसका अर्थ है वह व्यक्ति उसके प्रति प्रतिकूल मनोवृत्ति रखता है।